4. मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति

Dr. Rajani Sontakke
Associate Professor
Economics

मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति

01.मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति का अर्थ

02. मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति का महत्व

03. मौद्रिक नीति के साधन

Chapter 4

मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति

अर्थ ,उद्देश्य, महत्व

मौद्रिक नीति Monetary Policy

अर्थ:Meaning

किसी भी देश के सरकार की चलन/मुद्रा संबंधी जो नीति होती है उसे मौद्रिक नीति कहते हैं। प्रत्येक देश की एक स्वतंत्र मौद्रिक नीति होती है। आर्थिक नीति का संबंध संपूर्ण अर्थव्यवस्था से होता है, मौद्रिक नीति का संबंध सिर्फ मुद्रा पूर्ति से और व्यवस्थापन से होता है।मुद्रा की पूर्ति का देश के अर्थव्यवहारों पर परिणाम होता है इसलिए देश के अर्थव्यवहारों का संचालन सुचारु रुप से चलें इसलिए केंद्रीय बैंक ने मुद्रा की पूर्ति पर नियंत्रण रखने के लिए बनाई गई नीति को मौद्रिक नीति कहा जाता है।

परिभाषा Definition

मौद्रिक नीति

एच.जी. जॉनसन के अनुसार, " **मौद्रिक नीति आर्थिक नीति के उद्देश्य पूरे करने हेतु मुद्रा की पूर्ति पर नियंत्रण रखने के लिए केंद्रीय बैंक द्वारा बनाई गई नीति है।"**

प्रो. पॉल इंज़िंग, "**. मुद्रा संबंधी व्यवहार सुचारू रूप से चलNe चाहिए परंतु उस से होने वाले नुकसान न्यूनतम होने चाहिए इसलिए बनाई गई नीति को मौद्रिक नीति कहा जा सकता है।**"

मौद्रिक नीति के उद्देश्य

Objectives of Monetary Policy

- रोजगार में वृद्धि।
- पूर्ण रोजगार प्राप्त करना।
- कीमत में स्थिरता।
- विनिमय दर में स्थिरता।
- आर्थिक स्थिरता।
- भुगतान शेष में संतुलन।

मौद्रिक नीति का महत्व

Importance of Monetary Policy

- स्फीतिक दबाव पर नियंत्रण रखने में सहायक।
- कीमत स्थिरता बनाए रखने में सहायक।
- भुगतान शेष के घाटे में कमी।
- सुयोग्य ब्याज दर।

- बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं का विकास करने में सहायक।
- सार्वजनिक ऋण लेने में सहायक।
- जमाखोरों पर प्रतिबंध लगाने में सहायक।
- संतुलित विकास करने के लिए सहायक।

मौद्रिक नीति के साधन

Measures of Monetary Policy

मात्रात्मक साधन

1. बैंक दर।
2. ओपन मार्केट के व्यवहार।
3. कोष अनुपात में परिवर्तन।
4. नकद अनुपात में परिवर्तन।

गुणात्मक साधन

1. ऋण का न्यूनतम प्रमाण निर्धारित करना।
2. किस जमानत पर ऋण देना चाहिए यह निर्धारित करना।
3. ऋण देने का ठोस कारण निर्धारित करना।
4. बैंक में किसी कंपनी की ओर से दी जानेवाली जमानत की उच्च मर्यादा निर्धारित करना।
5. ऋण देते समय ब्याज की दर निर्धारित करना।

मौद्रिक नीति की मर्यादाएं

Limitations

1. असंगठित मुद्रा बाजार।
2. बैंकिंग आदतों का अभाव।
3. साख मुद्रा का मर्यादित प्रचलन।
4. केन्द्रीय बैंक के अपूरे साधन।
5. व्यापारी अधिकोषोंकी संपन्नता।
6. गैर बैंकिंग वित्तीय मध्यस्थोंकी बड़ी संख्या।
7. विदेशी बैंक।

राजकोषीय नीति

Fiscal Policy

1936 में **लॉर्ड जे. एम. कींस ने** अपने ग्रंथ "**General Theory of Employment,Interest and Money"** प्रसिद्ध किया।

इसमें, सरकार ने अपने बजटीय व्यवहार कुशलता से पूरे किए तो तेजी और मंदी पर नियंत्रण रखकर स्थिरता लाई जा सकती है और आर्थिक व्यवहार की गति बढ़ाकर बेरोजगारी की अवस्था नष्ट की जा सकती हैं। इन विचारों द्वारा राजकोषीय नीति को एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में विशेष स्थान प्राप्त हुआ।

राजकोषीय नीति

अर्थ:Meaning

राजकोष.... राज्य + कोष = राज्य का कोष।

कोष को कैसे निर्माण किया जाए, कैसे बढ़ाया जाए , किस प्रकार खर्च किया जाए इन सारी बातों से संबंधित नीति को बजटीय नीति कहते है।

परिभाषा Definition

आर्थर स्मिथिज:

आर्थर स्मिथिज के शब्दों में, " **सरकारी आय एवं व्यय के कार्यक्रमों द्वारा राष्ट्रीय आय ,उत्पादन और रोजगार इन पर अपेक्षित प्रभाव डालने वाले और प्रतिकूल परिणाम टालने वाले नीति को राजकोषीय नीति कहते हैं। "**

"Fiscal Policy is under which the government uses its expenditure and revenue or programs to produce desirable effects and avoid undesirable effects on the National income,production and employment."

राजकोषीय नीति के उद्देश्य

Objectives of Fiscal Policy

1. मुद्रा विस्तार अथवा तेजीपर नियंत्रण लाना।
2. मुद्रा संकोच अथवा मंदी पर नियंत्रण लाना।
3. निवेश में वृद्धि करना।
4. देश में पूर्ण रोजगार की स्थिति निर्माण करना।
5. राष्ट्रीय उत्पादन और आय में वृद्धि करना।
6. आर्थिक स्थिरता निर्माण कर आर्थिक विकास की gti बढ़ाना।

राजकोषीय नीति के साधन

Instruments of Fiscal Policy

1. बजट

a. संतुलित बजट

b. आधिक्य बजट

c. घाटे का बजट

2 सार्वजनिक व्यय

3 करारोपन

4 सार्वजनिक ऋण

घाटे के बजट का महत्व

Importance

1. मंदी का प्रतिकार करने के लिए।
2. मूलभूत उद्योग एवं सुविधाओं की स्थापना।
3. रोजगार में वृद्धि करना।
4. आर्थिक वृद्धि।
5. जीवनस्तर में सुधार लाना।
6. राष्ट्रीय आय में वृद्धि।
7. आर्थिक विषमता कम करना।
8. निष्क्रिय बचतों का उपयोग करना।

राजकोषीय नीति की मर्यादाएं

Limitations

1. अचूक पूर्वानुमान की समस्या।
2. अमल करने में विलम्ब।
3. अकार्यकक्षम सरकारी यंत्रणा।
4. क्षतिपूरक नीति का दुष्परिणाम।
5. आय विषमता में वृद्धि।
6. प्रतिकूल भुगतान शेष।
7. प्रशासनिक समस्या।
8. क्षतिपूरक नीति की मर्यादित सफलता।
9. ऋण व्यवस्थापन की समस्या।
10. विपरीत मानसिक प्रतिक्रिया।

Thank You!